D.El.Ed Ist Sem

28/09/2020
Tuesday

Sub - Present Indian Society And Elementary Education

Topic - Despatch of Wood (1854)

वुड का घोषणा पत्र

'वुड' ने तात्कालिक 'भारतीय शिक्षा' के 'उद्देश्यों' के निर्धारण' के साथ 'अपनी शिक्षा नीति सम्बन्धी' व्यापक विचार प्रस्तुत किये थे। जो निम्न हैं -

'शिक्षा नीति सम्बन्धी विचार'

- → शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी एवं क्षेत्रीय भाषाएँ।
- → सहायता अनुदान प्रणाली: सरकारी संस्थाओं का, स्थानीय निकायों का क्रमिक रूप से स्थानान्तरण।
- → सरकारी संस्थाओं में धर्मनिरपेक्ष, धार्मिक शिक्षा की व्यवस्था।
- → शिक्षक - प्रशिक्षण।
- → स्त्रियों की शिक्षा।
- → विश्वविद्यालयों की स्थापना।
- → जन शिक्षा का प्रसार।

वुड के घोषणा पत्र के गुण -

(1) इस घोषणा पत्र ने प्रारंभिक शिक्षा को मजबूती प्रदान की। इसलिए इसे 'अंग्रेजी शिक्षा का 'महाधिकार पत्र' नाम से पुकारा गया।

(2) भारतीय शिक्षा के उद्देश्यों को सुनिश्चित दिशा निर्धारित करना।

(3) जन शिक्षा का प्रसार में योगदान।

(4) स्त्री शिक्षा, विश्वविद्यालयी शिक्षा की संगठनात्मक रूपरेखा प्रस्तुत की।

(5) योग्य शिक्षकों, प्रशिक्षित / उत्तम वेतन तथा सुविधाओं से सुसज्जित नॉर्मल स्कूल स्थापना पर बल।

(6) अंग्रेजी शिक्षा को सीधे नौकरी से जोड़ने पर बल।

(7) शिक्षा से आजीविका कमाने का महत्व/प्रतिस्पर्द्धा पर बल।

(8) प्राच्य विद्या, साहित्य मुद्रण / पठन-पाठन हेतु छात्रवृत्तियों / अन्य प्रोत्साहन धनराशियों की व्यवस्था की गयी।

(8) घोषणा पत्र में शिक्षा के सभी व्यापक आयामों का सुव्यवस्थित स्वरूप सामने आया।

Scanned with CamScanner

वुड घोषणा पत्र के दोष

(1) शिक्षा का क्षेत्र सरकार / नौकरशाही के आधिपत्य में चला जाना।
(2) उच्च / माध्यमिक शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बनाकर जनप्रचलित स्वरूप पर रोक।
(3) भारतीयता का विनाश करके विदेशीकरण का बिगुल बजाया।
(4) सहायता अनुदान की शर्तें अंग्रेजी विद्यालयों के अनुकूल।
(5) शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बनाकर छात्रों पर लादना।
(6) सरकारी नौकरी केवल अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करने वालों को।
(7) शिक्षा को लिखित परीक्षा से जोड़कर अनेक बुराईयों को जन्म।
(8) उक्त सभी परिस्थितियों ने अंग्रेजी जड़ें को सींचा।
(9) शिक्षा प्राप्त करना केवल नौकरी का लालच।

ARIS Pro – Sapna Tyagi
B.R.C. Deoband

Scanned with CamScanner